क्षेत्रीय समाचार एकांश

देहरादून (उत्तराखण्ड)

शनिवार 24.05.2025

समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने निजी विश्वविद्यालयों से प्रदेश में पलायन रोकने में सहयोगी भूमिका निभाने का आह्वान किया।
- देहरादून के जॉली ग्रांट हॉस्पिटल, श्री महंत इन्द्रेश अस्पताल और ग्राफिक एरा हॉस्पिटल में आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड धारकों के लिये इलाज की सुविधा नियमित रूप से जारी रहेगी।
- रुद्रप्रयाग के खांकरा में चित्रमति नदी पर जिले की पहली कृत्रिम झील, बनकर तैयार।
- देहरादून के आई.एस.बी.टी में वर्षा जल के बेहतर ड्रेनेज से जुड़े सभी कार्यों को पांच जून तक पूरा करने के निर्देश।

बैठक

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों को मोटे अनाज, शहद उत्पादन, होम स्टे और स्वयं सहायता समूहों के क्षेत्र में अनुसंधान करने और पलायन रोकने में सहयोगी भूमिका निभाने का आह्वान किया है। देहरादून स्थित राजभवन में प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए की गई पहलों, विभागीय सहयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में नवाचार, यूजीसी मानकों के अनुसार शोध और ''एक विश्वविद्यालय–एक शोध'' कार्यक्रम के तहत प्रगति की प्रस्तुति दी गई।

राज्यपाल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेटा, क्वांटम जैसी आधुनिक तकनीकों में शोध को बढ़ावा देने की जरूरत बताई और कहा कि भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए 'इंडिया एआई मिशन' में राज्य के विश्वविद्यालयों को भी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

राज्यपाल ने निजी विश्वविद्यालयों से आपसी सहयोग और संसाधनों के साझाकरण के माध्यम से रिसर्च कंसोर्टियम या संयुक्त नवाचार केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। सभी विश्वविद्यालयों ने इस पहल को स्वीकार करते हुए इसमें पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

स्वास्थ्य सुविधा

देहरादून के तीन प्रमुख निजी अस्पतालों– जॉली ग्रांट हॉस्पिटल, श्री महंत इन्द्रेश अस्पताल और ग्राफिक एरा हॉस्पिटल में आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड धारकों के लिये इलाज की सुविधा नियमित रूप से जारी रहेगी।

स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि बताया कि सरकार का उद्देश्य सभी पात्र नागरिकों को समय पर और उचित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से लाखों गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है और सरकार इसे और सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

घंटाघर सौंदर्यीकरण

देहरादून का ऐतिहासिक घंटाघर और प्रमुख चौराहे अब जल्द ही एक नए, भव्य और पहाड़ी शैली के स्वरूप में नजर आएंगे। जिलाधिकारी सविन बंसल के नेतृत्व में घंटाघर सहित दिलाराम, ब्रह्मकमल, कोठाल गेट और साईं मंदिर चौक का सौंदर्यीकरण कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने कल इन स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया और कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि सभी काम तय समय और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि घंटाघर राजधानी की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान है। इसे न केवल सजाया जा रहा है, बल्कि यातायात की दृष्टि से भी सुगम बनाया जा रहा है। स्मार्ट सिटी योजना से प्राप्त बजट का उपयोग न केवल निर्माण बल्कि अगले तीन वर्षों तक रखरखाव के लिए भी किया गया है।

यातायात सुधार के तहत साईं मंदिर और कोठाल गेट चौक पर स्लिप रोड बनाई गई है और 11 रेड लाइट जंक्शनों पर नई ट्रैफिक लाइटें स्थापित की गई हैं। ब्रह्मकमल चौक को भी नए डिजाइन के साथ विकसित किया जा रहा है, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी और आमजन के लिए आवागमन अधिक सुरक्षित होगा। इन चौराहों को पहाड़ी शैली में सजाया जा रहा है, जिससे राज्य की लोक संस्कृति और परंपरा का भी प्रचार होगा। ये स्थल जल्द ही देहरादून की नई पहचान बनेंगे और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होंगे।

खनन पर रोक

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने उधमसिंह नगर के बाजपुर क्षेत्र में कोसी नदी में चल रहे खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया।

एक जनहित याचिका दायर कर कहा गया था कि कोसी नदी से लगे हुए ग्राम जगतपुर, पटोती, महताबन, महुआडाली, गुलजारपुर आदि गांवों में अवैध खनन किया जा रहा है। इससे गांव को खतरा बना हुआ है। याचिका में कहा कि इसी तरह खनन होता रहा तो भविष्य में गांव में बाढ़ का ख़तरा बना रहेगा।

## लोकपाल लक्ष्मण मंदिर

चमोली जिले में स्थित लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। इसके साथ ही अब चार माह तक श्रद्धालु भगवान लक्ष्मण के दर्शन यहां कर सकेंगे। इस अवसर पर पुलना गांव के स्थानीय लोगों ने पवित्र हिम सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर लोकपाल लक्ष्मण के दर्शन किये और क्षेत्र के सुख समृद्धि की मनोकामना की। वहीं हेमकुंड साहिब के कपाट भी कल श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। कपाट खुलने से पहले 500 से अधिक श्रद्धालु घांघरिया पहुंच चुके हैं। गुरुद्वारे के प्रबंधक सेवा सिंह ने बताया कि पंज प्यारे आज गोविंदघाट गुरुद्वारे से घांघरिया के लिए रवाना होंगे और रात्रि प्रवास के बाद कल हेमकुंड साहिब पहुंचेंगे।

## कृत्रिम झील

रुद्रप्रयाग जिले की पहली कृत्रिम झील, खांकरा में चित्रमति नदी पर बनकर तैयार हो गई है। 100 मीटर लंबी और 22 मीटर चौड़ी इस झील के निर्माण में एक करोड़ 66 लाख रुपये खर्च हुए हैं। झील के किनारे इको पार्क और फुटपाथ गार्डन भी विकसित किया जा रहा है।

पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऋषिकेश–बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित खांकरा में यह झील बनाई गई है। झील की दूसरी ओर पहाड़ी पर धार्मिक, पर्यटन और प्राचीन स्थलों की थ्रीडी पेंटिंग बनाई जाएगी। झील को स्थानीय रोजगार से जोड़ने के लिए चार दुकानों का निर्माण प्रस्तावित है, और बोटिंग एरिया भी विकसित किया जाएगा, जिससे यात्राकाल के दौरान देश–विदेश से आने वाले पर्यटक इसका आनंद ले सकें।

## जलभराव समस्या समाधान

देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल आईएसबीटी क्षेत्र की जलभराव समस्या के स्थायी समाधान को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए हैं। जिलाधिकारी ने आईएसबीटी फ्लाईओवर और ड्रेनेज कार्यों का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह के साथ निरीक्षण किया और निर्देश दिए कि 5 जून तक सभी ड्रेनेज–सीवरेज लाइनों की सफाई, रोड ब्लैक टॉपिंग, विद्युत लाइनों को भूमिगत करने और 15 चेम्बर्स के ढक्कन लगाने का कार्य पूरा कर लिया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि रोड ब्लैक टॉप के बाद यदि सड़क कहीं से भी दुबारा खोदी गई, तो संबंधित एजेंसी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आईएसबीटी चौक से आउटफॉल तक नया ड्रेनेज सिस्टम बनकर लगभग तैयार है, जिससे मानसून में होने वाला जलभराव इस बार नहीं होगा।

उन्होंने बताया कि ड्रेनेज सुधार के तहत 500 मीटर ह्यूम पाइप और क्रॉस ड्रेनेज कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्मार्ट सिटी योजना के तहत इस ड्रेनेज प्रोजेक्ट के निर्माण और रखरखाव के लिए बजट प्रावधान भी किया गया है।

ग्रामीण पर्यटन–सारी गांव

रुद्रप्रयाग जिले के तुंगनाथ–चोपता ट्रैक पर स्थित सारी गांव ग्रामीण पर्यटन और स्वरोजगार का मजबूत उदाहरण बनकर उभरा है। वर्तमान में गांव में 50 से अधिक होम स्टे संचालित हो रहे हैं, जिनसे करीब 250 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल रहा है।

गांव में होम स्टे की शुरुआत 1999 में माउंटेन गाइड मुरली सिंह नेगी ने की थी। उन्होंने ट्रैकिंग के लिए आने वाले पर्यटकों को ठहरने और खाने की सुविधा अपने पुराने घर में दी, जिससे प्रेरित होकर अन्य ग्रामीणों ने भी अपने पारंपरिक घरों को होम स्टे में बदलना शुरू किया। आज यहां 41 होम स्टे पर्यटन विभाग में पंजीकृत हैं और कई होम स्टे दीन दयाल उपाध्याय योजना और ट्रेकिंग ट्रक्शन सेंटर योजना के तहत संचालित हो रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पिछले वर्ष करीब सात हजार पर्यटक गांव में ठहरे। स्वरोजगार के कारण गांव में पलायन न के बराबर है और सारी गांव पूरी तरह जीवंत बना हुआ है।

गांव में वर्तमान में 191 परिवार हैं और कुल आबादी लगभग एक हजार दो सौ है। सरकार की योजनाओं के चलते यहां होम स्टे व्यवसाय ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बना रहा है।

काउंसलिंग आज

पिथौरागढ़ जिला शिक्षा विभाग में डीएलईडी और एन.आई.ओ.एस डीएलएड के प्राथमिक शिक्षकों के 43 पदों पर नियुक्ति के लिए आज काउंसलिंग की जाएगी। शिक्षकों की नियुक्ति होने से विद्यार्थियों को पठन–पाठन की बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर––

आज के समाचार पत्रों ने अलग–अलग ख़बरों को प्राथमिकता दी है।

आतंकवाद पर पाकिस्तान को फिर निगरानी सूची में डालने के लिए पुख्ता सबूत देगा भारत। इस शीर्षक के साथ अमर उजाला लिखता है– एफ.ए.टी.एफ में मामला रखेगा भारत, पाकिस्तान आतंकियों का वित्त पोषण रोकने में रहा नाकाम।

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं में मिली गड़बड़ी, एक हजार तीन सौ तिरपन मामलों की होगी जांच, दैनिक जागरण की सुर्खी है। समाचार पत्र के अनुसार सचिव, अल्पसंख्यक कल्याण ने मामलों की जांच के लिये समिति गठित करने के निर्देश दिये हैं।

उत्तराखंड उच्च न्यायालय के हवाले से हिंदुस्तान समाचार पत्र ने सुर्खी दी है– स्टेडियम चौबीस घंटे में खोलें। समाचार पत्र के अनुसार हाईकोर्ट ने उत्तराखंड में खिलाड़ियों की उपेक्षा पर अपनाया सख्त रुख, दून–हल्द्वानी के स्टेडियम में खिलाड़ी आज से कर पाएंगे अभ्यास।

फूलों की घाटी के लिये शुरू हुए ऑनलाईन पंजीकरण। अमर उजाला समाचार पत्र लिखता है– पर्यटक, अंससलमवसिवूमतण्नाण्हवअण्पद के माध्यम से ऑनलाईन पंजीकरण करा सकते हैं।